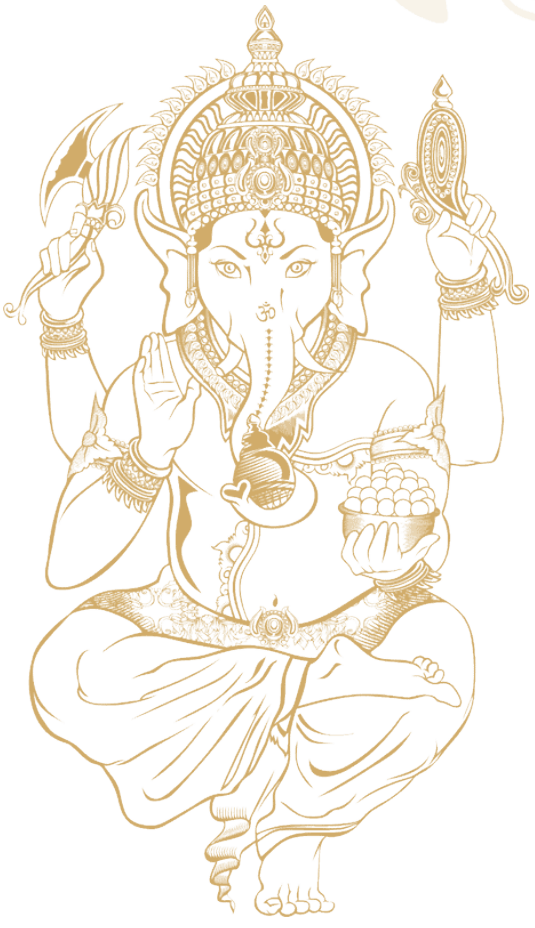

Jitendra

22 Dec 1969

11:55 AM

Jamui

Model: Web-FreeKundliWeb

Order No: 121481702

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**22/12/1969**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**11:55:00 घंटे**
इष्ट	13:42:13 घटी
स्थान	**Jamui**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:55:00 उत्तर
रेखांश	86:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:14:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:09:52 घंटे
वेलान्तर	00:01:30 घंटे
साम्पातिक काल	18:12:25 घंटे
सूर्योदय	06:26:06 घंटे
सूर्यास्त	17:01:11 घंटे
दिनमान	10:35:04 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	06:48:09 धनु
लग्न के अंश	10:47:48 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	शुभ
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वू-वुभेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	10:47:48	491:57:18	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	---
सूर्य			धनु	06:48:09	01:01:05	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			वृष	20:26:55	12:16:53	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
मंगल			कुंभ	11:32:11	00:44:46	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
बुध			धनु	25:22:30	01:21:29	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
गुरु			तुला	07:27:39	00:09:20	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	28:46:08	01:15:29	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	सम राशि
शनि	व		मेष	08:45:47	00:01:23	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	नीच राशि
राहु	व		कुंभ	21:39:26	00:13:33	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	21:39:26	00:13:33	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			कन्या	15:07:29	00:01:14	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	---
नेप			वृश्चि	06:08:08	00:02:00	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	---
प्लूटो			कन्या	03:56:08	00:00:17	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	---
दशम भाव			धनु	09:24:35	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:26:20

लग्न-चलित

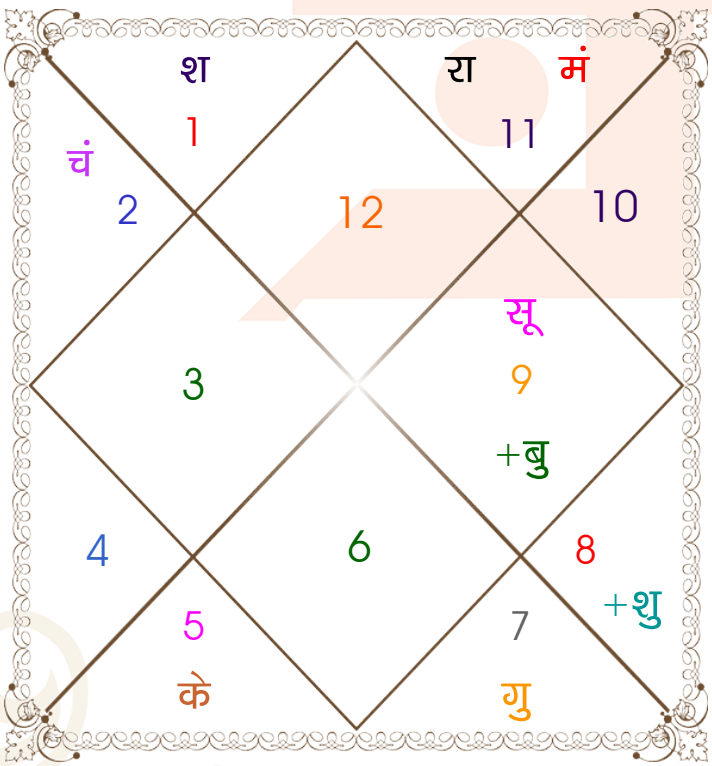

चन्द्र कुंडली

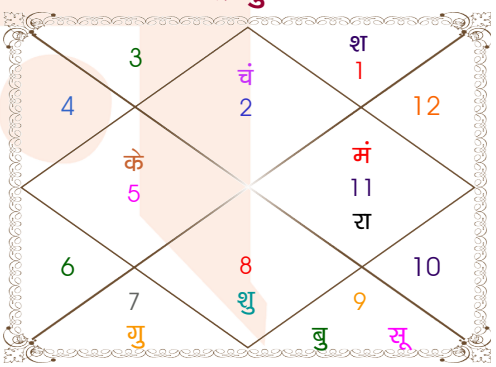

नवमांश कुंडली

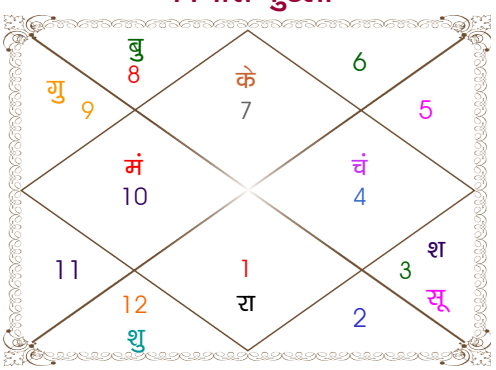

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 2 वर्ष 1 मास 29 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
22/12/1969		20/02/1972		20/02/1979		19/02/1997		19/02/2013	
20/02/1972		20/02/1979		19/02/1997		19/02/2013		20/02/2032	
	00/00/0000	मंगल	18/07/1972	राहु	02/11/1981	गुरु	10/04/1999	शनि	23/02/2016
	00/00/0000	राहु	06/08/1973	गुरु	28/03/1984	शनि	21/10/2001	बुध	02/11/2018
	00/00/0000	गुरु	13/07/1974	शनि	02/02/1987	बुध	27/01/2004	केतु	12/12/2019
	00/00/0000	शनि	22/08/1975	बुध	21/08/1989	केतु	02/01/2005	शुक्र	11/02/2023
	00/00/0000	बुध	18/08/1976	केतु	09/09/1990	शुक्र	03/09/2007	सूर्य	24/01/2024
	00/00/0000	केतु	14/01/1977	शुक्र	08/09/1993	सूर्य	21/06/2008	चंद्र	24/08/2025
	22/12/1969	शुक्र	16/03/1978	सूर्य	03/08/1994	चंद्र	21/10/2009	मंगल	03/10/2026
शुक्र	22/08/1971	सूर्य	22/07/1978	चंद्र	02/02/1996	मंगल	27/09/2010	राहु	09/08/2029
सूर्य	20/02/1972	चंद्र	20/02/1979	मंगल	19/02/1997	राहु	19/02/2013	गुरु	20/02/2032

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
20/02/2032		19/02/2049		20/02/2056		20/02/2076		20/02/2082	
19/02/2049		20/02/2056		20/02/2076		20/02/2082		00/00/0000	
बुध	19/07/2034	केतु	19/07/2049	शुक्र	22/06/2059	सूर्य	09/06/2076	चंद्र	21/12/2082
केतु	16/07/2035	शुक्र	18/09/2050	सूर्य	21/06/2060	चंद्र	08/12/2076	मंगल	22/07/2083
शुक्र	16/05/2038	सूर्य	24/01/2051	चंद्र	20/02/2062	मंगल	15/04/2077	राहु	20/01/2085
सूर्य	22/03/2039	चंद्र	25/08/2051	मंगल	22/04/2063	राहु	10/03/2078	गुरु	22/05/2086
चंद्र	21/08/2040	मंगल	21/01/2052	राहु	22/04/2066	गुरु	27/12/2078	शनि	21/12/2087
मंगल	18/08/2041	राहु	07/02/2053	गुरु	21/12/2068	शनि	09/12/2079	बुध	22/05/2089
राहु	06/03/2044	गुरु	14/01/2054	शनि	20/02/2072	बुध	15/10/2080	केतु	21/12/2089
गुरु	12/06/2046	शनि	23/02/2055	बुध	21/12/2074	केतु	19/02/2081	शुक्र	22/12/2089
शनि	19/02/2049	बुध	20/02/2056	केतु	20/02/2076	शुक्र	20/02/2082		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 2 वर्ष 2 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर तुला नवमांश एवं कर्क राशीय द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति के अनुसार लग्नादिक समन्वित प्रभाव से यह सुनिश्चित हो रहा है कि आप निःसंदेह अपने संपूर्ण जीवन में विपुल संपत्ति, धन-दौलत से युक्त रहेंगे। आप वंशानुगत प्राप्त पूरक धन-दौलत के अतिरिक्त पर्याप्त आय की प्राप्ति करेंगे। इसका अर्थ है कि आप धनी हो सकते हैं।

आप व्यक्तिगत रूप से अति विश्वसनीय एवं ईमानदार प्राणी होंगे। आप में अनिवार्य गुण विद्यमान है, जिसके प्रभाव से आपका जीवन अति उन्नतिशील रहेगा जो आपके स्वयं के लिए एक छाप छोड़ेगा। आपमे आत्मिक शक्ति विद्यमान है तथा आप एकांत प्रिय प्राणी हैं। आप अपने रास्ते से चल कर किसी भी कार्य के प्रारंभ को उचित व्यवहार कर सकते हैं।

आप अपनी कार्य योजना के पीछे पड़ कर उसका समापन करोगे न कि मात्र कार्य को धक्के दे कर चलाना पसंद करोगे। आप अच्छी प्रकार जानते हैं कि दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य के अनुसार शनैः शनैः उन्नति प्राप्त करने के लिए समर्थ होंगे। आप किसी भी प्रकार की विपरीत घटना के प्रति आश्वस्त है कि आपका समय सुख आराम के साथ व्यतीत हुआ।

आप सुरक्षित स्वभाव के प्राणी हैं। आप स्वयं दूसरों के कारण उलझन में पड़ कर समस्या से ग्रसित हो जाते हैं। यदा-कदा आप स्वयं आश्वस्त नहीं हो पाते है कि तत्काल आपका लक्ष्य क्या है। क्योंकि आप हवाई मार करके हवा में उंची किला बनाते है तथा प्रत्येक वार करके रंगीन स्वप्न का दृश्य देखते हो। मुख्यतः विपरीत योनि के प्रति आपके ऐसे ख्यालात होते हैं। आप अति काम प्रिय प्राणी है तथा आप प्रेम प्रसंग में उंची-छलांग लगा कर अपनी छाप छोड़ना चाहते है। आप अपने जीवन में हर दृष्टिकोण से इस विषय को महत्वपूर्ण समझते हो। आपकी अभिलाषा रहती है कि आप प्रेमिका के साथ मिल कर मद्यपान किसी प्रकार कर सकूं। इस प्रकार सदैव आनंद प्राप्ति हेतु सुअवसर की तलाश में रहते हो। आप इसी प्रकार के रास्ते को अंगीकृत करते हो। आप अपने व्यवसायिक एवं सुखद वातावरण की तारतम्यता सख्ती से बनाए रखते हो।

पूर्णतया अपने संबंध में सीख लें। इसके पश्चात् अपने में अपेक्षित गुण ग्रहण कर, स्वयं साहसपूर्ण सफलता प्राप्त करे। अतएव आप दूसरों पर क्यों आश्रित हो? चूंकि आप विश्वासी हैं। अन्य जो थोड़ा विनीत स्वभाव के व्यक्ति हैं उनको सदैव अंगीकृत करते हैं। परंतु आप अनुभव करोगे कि वे अडंगा बाजी कर के आपको पराजित करेंगे। प्रारंभ में वे औपचारिकता दिखा कर आपको आश्वस्त करेंगे कि आपके द्वारा स्थित हुआ हूं। वे आपकी बातों के अनुसार आचरण नहीं करेंगे। इसलिए वे व्यवसाय एवं मित्रता के बीच एक स्पष्ट सीमा रेखा खींच कर, पृथकतावादी नीति अपनाएंगे।

आपका स्वास्थ्य निः संदेह उत्तम रहेगा। परंतु आयु वृद्धि के पश्चात् आप रोग ग्रस्त

हो सकते है। जैसे कफ, खांसी, सर्दी, जुकाम, जोड़ों का दर्द गठिया-वात, जॉनडिस, एवं हर्निया आदि। अतः सुरक्षात्मक कदम उठा कर, समय-समय पर चिकित्सक द्वारा सलाह निर्देश प्राप्त करते रहें।

आप अपनी दुर्बलता को त्याग कर मनोयोगपूर्ण अपने कार्य व्यवसाय में संलग्न होने के पश्चात् अपने प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन के प्रति आश्वस्त हो सकेंगे। आप अपनी अच्छी पत्नी, समझदार पुत्र एवं पौत्र के द्वारा सुख प्राप्ति के संबंध में भाग्यशाली हैं। वे सभी आपसे संबंधित रह कर आपको उत्तम व्यवहार स्नेह सम्मान, प्रभाव आदि प्रदान करेंगे।

आपके लिए अनुकूल रंग पीला, नारंगी, लाल एवं गुलाबी रंग उत्तम हैं। परंतु नीले रंग का व्यवहार न करें।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं भाग्यशाली अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु अंक 8 त्यज्यनीय है।

साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। इस दिनों में किसी भी कार्य को सम्पादन कर सकते है तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को संपादन तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को हस्ताक्षरित कर सकते हैं। परंतु इसके अतिरिक्त शेष तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अव्यवहारणीय है।